वी.यू. में दो दिवसीय सम्मेलन का भव्य शुभारंभ

जबलपुर। आज दिनांक 21.09.2022 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के प्लैटिनम जुबली कार्यक्रम की श्रंखला में पशु पोषण विभाग तथा पशु पोषण कल्याण समिति इज्जत नगर के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय पांचवा राष्ट्रीय कन्वेंशन तथा सम्मेलन सतत पशुधन उत्पादन के लिए समन्वित पोषण स्वास्थ्य और विस्तार के दृष्टिकोण विषय पर दिनांक 21 से 22 सितंबर 2022 का शुभारंभ 21 सितंबर को वेटरनरी सभागार में श्री अशोक रोहाणी, विधायक कैंट, विधानसभा के मुख्य आतिथ्य में, माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी की अध्यक्षता में तथा विशिष्ट अतिथि वी.सी.सी.आई. प्रेसिडेंट डॉ. उमेश शर्मा, पूर्व कुलपति तथा निदेशक आई.वी.आर.आई. इज्जत नगर डॉ. एम. सी. शर्मा, जबलपुर कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी, प्रेसिडेंट NAVNAW एन.एन. पाठक, संस्थापक कुलपति डॉ. जी.पी. मिश्रा तथा जनरल सेक्रेटरी NAVNAW डॉ. साहा व अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा व आयोजन सचिव डॉ. सुनील नायक मंचासीन रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथि द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ एवं विश्वविद्यालय कुलगीत के मधुर मंचन पश्चात अतिथियों का स्वागत व सम्मान पुष्प शॉल श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह देकर किया गया। आयोजन सचिव डॉ. सुनील नायक ने अपने उद्बोधन में संपूर्ण कार्यक्रम की जानकारी से अवगत कराया। मुख्य अतिथि कैंट विधानसभा के विधायक श्री अशोक रोहाणी ने अपने उद्बोधन भाषण में कहां की की पशु पोषण से संबंधित यह कार्यक्रम पशुधन के लिए नए आयाम व नवाचार लेकर आएगा। पशु पोषण कल्याण समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नित्यानंद पाठक ने इस आयोजन को पशुपालकों के हित में बताया। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने अपने उद्बोधन में कहां की वेटरनरी यूनिवर्सिटी के हर कार्यक्रम में आकर उन्हें एक खुशी की अनुभूति होती है, तथा वेटनेरियन हर फील्ड में आज कार्यरत हैं तथा देश की प्रगति का हिस्सा है।

वी.सी.सी.आई. प्रेसिडेंट डॉ. यू.सी. शर्मा ने इस तरह के कार्यक्रम को कहां कि इससे समाज के अंतिम छोर पर बैठे हमारे कृषकों को पशुपालकों को लाभ मिलेगा। डॉक्टर सीता प्रसाद तिवारी ने अपने उद्‌बोधन भाषण में कहा की समन्वित कृषि प्रणाली से आज किसान बहुत लाभ कमा सकते हैं तथा इस कार्यशाला को करने का उद्देश्य पशु उत्पादन, पशुओं के चारे का उत्पादन बढ़ाना है, जिससे हमारे कृषकों को पशु आहार में कमी ना हो पाए। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय पशु पोषण और शरीर विज्ञान संस्थान बेंगलुरु तथा नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के मध्य एम.ओ.यू. पर भी हस्ताक्षर हुए जिसमें बेंगलुरु से डॉक्टर राघवेंद्र बट्टा मौजूद रहे। यह संधि पशु चिकित्सा एवं पशुपालन के क्षेत्र में संयुक्त रूप से अनुसंधान के क्षेत्र को आगे बढ़ाने हेतु की गई है।

इस कार्यक्रम में पशु पोषण कल्याण समिति इज्जत नगर द्वारा कुछ पुरस्कार भी दिए गए जिसमें से लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी को नवाजा गया साथ ही लाइफटाइम अवॉर्ड से कुलपति तथा निदेशक आई.वी.आर.आई. डॉ. एम.सी. शर्मा को दिया गया। बेस्ट वुमन फार्मर अवार्ड विश्वविद्यालय द्वारा अंगिकार ग्राम कैलवास की श्रीमती नेहा गौड को दिया गया। सुशीला देवी बेस्ट एमवीएससी थीसिस के कुल 10 अवार्ड पशु पोषण में दिए गए जिनमें से

वेदा रेड्डी तथा अन्य शामिल है। इसी प्रकार वेटरनरी साइंस से 13 एम.वी.एस.सी बेस्ट थीसिस अवॉर्ड दिए गए बेस्ट पी.एच.डी. थीसिस का अवार्ड 04 लोगों को दिया गया जिनमें से डॉ. प्रमोद शर्मा डॉ. प्रतीक्षा पांडा आदि शामिल है। पशु पोषण कल्याण समिति की फेलोशिप अवार्ड 15 वैज्ञानिकों को दिए गए जिनमें से नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के संचालक विस्तार एवं शिक्षण डॉ. सुनील नायक, आई.पी.एस. मलिक गड़वासु, डॉ. एस.एस. गिरी सिफा भुवनेश्वर आदि शामिल है। इस कार्यक्रम में शोध पत्रिका एवं स्मारिका का मंचासीन अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया।दो दिवसीय कांफ्रेंस में कुल 17 लीड पेपर पढ़े जाएंगे तथा सात अलग–अलग तकनीकी सत्र होंगे। सम्मेलन में भारत देश पशु पोषण तथा अन्य वेटरनरी क्षेत्र के नामचीन वैज्ञानिक जिनमें डॉ. बट्टा, डॉ. पंकज शुक्ला, डीन मथुरा कॉलेज, डॉ. एस.के. तिवारी वेटरनरी कॉलेज दुर्ग डॉ. धूलिया राजूवास बीकानेर, डॉ. कुंडू, डॉ. ए. साहू, डॉ. बी.एन. उपस्थित रहे। देश के विभिन्न राज्यों से कुल 250 प्रतिभागी जिनमें प्राध्यापक, वैज्ञानिक, रिसर्च स्कॉलर, छात्र–छात्राएं, पशु चिकित्सा अधिकारी आदि शामिल है। कार्यक्रम के दूसरे चरण में रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिक किसानों तथा इंडस्ट्री के लोगों का आपस में संवाद भी रखा जाएगा, जिससे कृषक भाइयों की पशुपालक की विषय संबंधित जानकारी दी जा सके तथा उनके प्रश्नों के उत्तर दिए जा सकें। कार्यक्रम मैं विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण डॉ. श्रीकांत जोशी, डॉ मधु स्वामी, डॉ. एस.एस. तोमर, डॉ. जी. दास, डॉ. लखानी, डॉ. अंजनी मिश्रा, डॉ. ए.पी. सिंह तथा वेटरनरी महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण तथा सहायक प्राध्यापक गणों की उपस्थिति रही। संपूर्ण दो दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन सचिव डॉ. सुनील नायक, सह सचिव डॉ अंकुर खरे, राहुल शर्मा, डॉक्टर आंचल केशरी डॉ. निर्मला, डॉ. ब्रजेश ओझा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। संपूर्ण कार्यक्रम माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी के निर्देशन में तथा अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ, कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन डॉक्टर आदित्य मिश्रा द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. साहा द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर